भाषा: ENहिंदी

खोजें

आरएसएस फीड

Cart

Classroom

मेनू

- हमारे बारे में
  - सामान्य परिचय
  - 'दृष्टि द विज़न' संस्थान
  - दृष्टि पब्लिकेशन
  - दृष्टि मीडिया
  - प्रबंध निदेशक
  - इंफ्रास्ट्रक्चर
- सिविल सेवा परीक्षा
  - परिचय
  - परीक्षा का प्रारूप
  - सिविल सेवा ही क्यों?
  - सिविल सेवा परीक्षा के विषय में मिथक
  - प्रमुख सिविल सेवाओं का परिचय
    - आई.ए.एस.
    - आई.पी.एस.
    - आई.एफ.एस.
  - तैयारी की रणनीति
    - प्रारंभिक परीक्षा
    - मुख्य परीक्षा
  - इंटरव्यू
  - उपयोगी पुस्तकें
    - सामान्य अध्ययन
    - वैकल्पिक विषय
  - FAQs
  - परीक्षा विज्ञप्ति
- प्रारंभिक परीक्षा
  - पाठ्यक्रम & रणनीति
    - पाठ्यक्रम
    - रणनीति
  - प्रिलिम्स विश्लेषण
  - मॉडल पेपर
  - प्रैक्टिस टेस्ट
    - 60 Steps To Prelims
    - डेली करेंट टेस्ट
    - एन. सी. ई. आर. टी. टेस्ट
    - आर्थिक सर्वेक्षण टेस्ट
    - PRS & PIB
    - सीसैट टेस्ट
    - सामान्य अध्ययन टेस्ट
    - योजना एवं कुरुक्षेत्र टेस्ट
    - डाउन टू अर्थ टेस्ट
    - विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी टेस्ट
  - Prelims Special

- कक्षा कार्यक्रम

प्रारंभिक परीक्षा

- पाठ्यक्रम & रणनीति
  - पाठ्यक्रम
  - रणनीति
- प्रलिम्स विश्लेषण
- 60 Steps To Prelims
- प्रलिम्स रिफ्रेशर प्रोग्राम 2020
- मॉडल पेपर
- प्रैक्टिस टेस्ट
  - 60 Steps To Prelims
  - डेली करेंट टेस्ट
  - साप्ताहिक रिवीज़न
  - एन. सी. ई. आर. टी. टेस्ट
  - आर्थिक सर्वेक्षण टेस्ट
  - PRS & PIB
  - सीसैट टेस्ट
  - सामान्य अध्ययन टेस्ट
  - योजना एवं कुरुक्षेत्र टेस्ट
  - डाउन टू अर्थ टेस्ट
  - विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी टेस्ट
- विगत वर्षों के प्रश्नपत्र
  - सामान्य अध्ययन (प्रारंभिक परीक्षा)
  - सीसैट (प्रारंभिक परीक्षा)
  - मुख्य परीक्षा (वर्षवार)
  - मुख्य परीक्षा (विषयानुसार)
- ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज़
  - टेस्ट सीरीज़ के लिये नामांकन
  - फ्री मॉक टेस्ट

मुख्य परीक्षा

- पाठ्यक्रम & रणनीति
  - पाठ्यक्रम
  - रणनीति
- मेन्स प्रैक्टिस प्रश्न
- एन. सी. ई. आर. टी.
  - इतिहास
- निबंध
  - निबंध उपयोगी उद्धरण
  - टॉपर्स के निबंध
  - मॉडल निबंध
- विगत वर्षों के प्रश्नपत्र
  - वर्षवार
  - विषयानुसार
- टॉपर्स कॉपी

दृष्टि स्पेशल्स

- चर्चित मुद्दे
- माइंड मैप
  - पेपर 1
  - पेपर 2
  - पेपर 3
  - पेपर 4
- टू द पॉइंट
  - पेपर 1
  - पेपर 2
  - पेपर 3
  - पेपर 4
- महत्त्वपूर्ण संस्थान/संगठन
- मैप के माध्यम से अध्ययन
- संसद टीवी संवाद
- महत्त्वपूर्ण रिपोर्ट्स की जिस्ट
- पीआरएस कैप्सूल्स
- डिस्टेंस लर्निंग प्रोग्राम

डाउनलोड्स

- टॉपर्स कॉपी
  - सामान्य अध्ययन
  - हिंदी साहित्य
  - इतिहास
  - भूगोल
  - दर्शनशास्त्र
  - निबंध
  - हिंदी अनिवार्य
- एनसीईआरटी बुक्स
- एनआईओएस स्टडी मैटिरियल
- इग्नू स्टडी मैटिरियल
- योजना और कुरुक्षेत्र
- इन्फोग्राफिक्स
- विगत वर्षों के प्रश्नपत्र
  - सामान्य अध्ययन (प्रारंभिक परीक्षा)
  - सीसैट (प्रारंभिक परीक्षा)
  - मुख्य परीक्षा (वर्षवार)
  - मुख्य परीक्षा (विषयानुसार)

वीडियो सेक्शन

- मेन्स (जी.एस.) डिस्कशन
- मेन्स (ओप्शनल) डिस्कशन
- करेंट न्यूज़ बुलेटिन
- मॉक इंटरव्यू
- टॉपर्स व्यू
- टू द पॉइंट
- सरकारी योजनाएँ
- ऑडियो आर्टिकल्स

-

प्रश्न :

प्रश्न. उन संवैधानिक प्रावधानों की व्याख्या कीजिये जिनके तहत विधान परिषदों की स्थापना की जाती है। उपयुक्त दृष्टांतों के साथ विधान परिषदों के कामकाज और वर्तमान स्थिति की समीक्षा कीजिये। (250 शब्द)

18 Jan, 2022 सामान्य अध्ययन पेपर 2 राजव्यवस्था

उत्तर :

हल करने का दृष्टिकोण

- विधानपरिषदों और उनसे संबंधित संवैधानिक प्रावधानों की व्याख्या के साथ पउत्तर की शुरुआत कीजिये।
- विधानपरिषदों के कामकाज और वर्तमान स्थिति पर चर्चा कीजिये।
- विधानपरिषदों को प्रभावी बनाने के लिये आगे की राह बताइये।

भारत में एक द्विसदनीय प्रणाली है। राज्य स्तर पर, लोकसभा के समकक्ष विधानसभा तथा राज्य सभा के समकक्ष विधानपरिषद की स्थापना की गई है। संविधान के अनुच्छेद 169 के तहत, संसद कानून द्वारा किसी राज्य में विधानपरिषद का निर्माण कर सकती है या उसे समाप्त कर सकती है यदि उस राज्य की विधान सभा विशेष बहुमत से इस आशय का प्रस्ताव पारित करती है।

संवैधानिक प्रावधान:

अनुच्छेद 169 (गठन और उन्मूलन):

- संसद एक विधानपरिषद को (जहाँ यह पहले से मौजूद है) का विघटन कर सकती है और (जहाँ यह पहले से मौजूद नहीं है) इसका गठन कर सकती है। यदि संबंधित राज्य की विधानसभा इस संबंध में संकल्प पारित करे। इस तरह के किसी प्रस्ताव का राज्य विधानसभा द्वारा पूर्ण बहुमत से पारित होना आवश्यक होता है।

विशेष बहुमत का तात्पर्य:

- विधानसभा की कुल सदस्यता का बहुमत और
- विधानसभा में उपस्थिति और मतदान करने वाले सदस्यों के कम-से-कम दो-तिहाई सदस्यों का बहुमत।

संरचना:

- संविधान के अनुच्छेद 171 के तहत, किसी राज्य की विधानपरिषद में राज्य विधानसभा की कुल संख्या के एक तिहाई से अधिक और 40 से कम सदस्य नहीं होंगे।
- राज्य सभा के समान विधानपरिषद एक सतत् सदन है, अर्थात् यह एक स्थायी निकाय है जिसका विघटन नहीं होता। विधानपरिषद के एक सदस्य (Member of Legislative Council- MLC) का कार्यकाल छह वर्ष का होता है, जिसमें एक तिहाई सदस्य हर दो वर्ष में सेवानिवृत्त होते हैं।

विधानपरिषद की आलोचना

- विधानसभा की तुलना में विधानपरिषद की स्थिति काफी कमज़ोर है। विधानपरिषद की शक्तिविहीन और प्रभावहीन भूमिका के कारण विशेषज्ञों द्वारा इस सदन की आलोचना की जाती रही है।
- आलोचक इसको द्वितीयक चैंबर, सफेद हाथी, खर्चीला सदन आदि की संज्ञा देते हैं। परिषद को ऐसे लोगों की शरणस्थली के रूप में देखा जाता है जो विधानसभा के समान निर्वाचन द्वारा चुनकर नहीं आ सकते। यह ऐसे व्यक्तियों की जिनकी सार्वजनिक स्थिति कमज़ोर होती है, लोगों के बीच लोकप्रिय नहीं होते हैं तथा जनता द्वारा नकार दिये गए लोगों को सरकार में शामिल करने अर्थात् मुख्यमंत्री या मंत्री बनाने हेतु इस सदन का उपयोग किया जाता है।
- अधिकांश राज्यों में इसके सदस्य संख्या को बहुमत वाले दल के द्वारा ही भरा जाता है। इस तरह यह एक 'डिट्टो चैंबर' के तरह ही होता है।
- इसकी कल्पना पुनरीक्षणकारी सदन के रूप में की गई थी लेकिन शायद ही कोई विधानपरिषद् विधान सभा पर अंकुश लगाने में सफल हो पाती है। क्योंकि उसे सामान्य परिस्थिति में किसी विधेयक को तीन माह तक एवं विधेयक को दोबारा विधानसभा द्वारा पारित होने पर एक माह और रोकने का अधिकार है।
- इसे विधान सभा के चुनाव में हारे हुए सदस्यों हेतु 'बैक डोर एन्ट्री' के रूप में भी देखा जाता है। इसके अतिरिक्त यह राज्यों की विधायी प्रक्रिया में अनावश्यक देरी भी लगाता है जिससे विधानपरिषद् की 'निलंबनकारी प्रकृति' उजागर होती है।

विधानपरिषद की उपयोगिता

- यह विधानसभा द्वारा जल्दबाज़ी और असावधानी में बनाए गए गलत विधानों का पुनरीक्षण करती है।
- इस व्यवस्था द्वारा उन लोगों को भी विधायिका में सीधे अपना योगदान देने का मौका मिलता है जिन्हें किन्हीं कारणों से प्रत्यक्ष चुनावों से नहीं चुना जा सका हो।
- विधान मंडल का उच्च सदन विधानसभा के निर्णयों की समीक्षा करने और सत्तापक्ष के निरंकुशतापूर्ण निर्णयों पर अंकुश लगाने में सहायता करता है।
- गैर-विवादास्पद प्रकृति के बिल की शुरुआत परिषद अपने सदन से कर सकती हैं। यह निचले सदन के बोझ को कम करता है और इसे अधिक महत्त्व के उपायों पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित करने में सक्षम बनाता है।
- उच्च सदन शिक्षाविदों और बुद्धिजीवियों को एक मंच प्रदान करता है, जो सरकार की जन-कल्याण योजनाओं के माध्यम से राज्य के विकास में अपना बहुमूल्य योगदान देते हैं।
- इस व्यवस्था को नियंत्रण और संतुलन (Check and Balance) सिद्धांत के अनुसार किसी भी लोकतांत्रिक सरकार के लिये आवश्यक माना जाता है।

सभी राज्य विधानसभाओं में एक उच्च सदन के लिए व्यापक बहस और सार्वजनिक व बौद्धिक राय की आवश्यकता है। विधानपरिषदों को एक ज़िम्मेदार निकाय होना चाहिये जो राज्यों के विकास के लिये नीतियों और कार्यक्रमों में भी अपना योगदान से सकें।

मेन्स प्रैक्टिस प्रश्न

filterHide Menu

$('#sendtoprogress').click(function(e){ var article=$('#article').val(); var title = $('#articletitle').val(); var url = "https://www.drishtiias.com/hindi/mains-practice-question/question-3199/pnt"; $.ajax({ type: "POST", url: "https://www.drishtiias.com/hindi/articles/progress", data: 'article='+article+'&type=2&articletitle='+title+'&url='+encodeURIComponent(url), success: function(data){ if(data=='success'){ if($('.progresslist').length) { $('.progresslist').prepend('
'+title+'
'); }else { $('.message').hide(); $('

- '+title+'

').insertAfter(".content .prog"); } $('#articlemsg').html('आर्टिकिल को आपके प्रोग्रेस सेक्शन में जोड़ दिया गया है।'); $('.fixbtn.progress').toggleClass('open'); }else if(data=='already'){ $('#articlemsg').html('यह आर्टिकिल आपके प्रोग्रेस सेक्शन में पहले से ही मौजूद है।'); }else if(data=='login'){ $('#articlemsg').html('आर्टिकिल को प्रोग्रेस सेक्शन में जोड़ने के लिए लॉगिन करें।'); }else{ $('#articlemsg').html('ओह! कुछ गलत हो गया है। कृपया पुनः प्रयास करें।'); } }, error: function(error,errortype,errorstatus){ alert(errortype); } }); }); $('#sendtobookmark').click(function(e){ var article=$('#article').val(); var title = $('#articletitle').val(); var url = "https://www.drishtiias.com/hindi/mains-practice-question/question-3199/pnt"; $.ajax({ type: "POST", url: "https://www.drishtiias.com/hindi//articles/progress", data: 'article='+article+'&type=1&articletitle='+title+'&url='+encodeURIComponent(url), success: function(data){ if(data=='success'){ if($('.bookmarklist').length) { $('.bookmarklist').prepend('
'+title+'
'); }else { $('.message').hide(); $('

- '+title+'

').insertAfter(".content .bookm"); } $('#articlemsg').html('यह आर्टिकिल आपके बुकमार्क्स सेक्शन में जोड़ दिया गया है।'); $('.fixbtn.bookmark').toggleClass('open'); }else if(data=='already'){ $('#articlemsg').html('यह आर्टिकिल आपके बुकमार्क्स सेक्शन में पहले से ही मौजूद है।'); }else if(data=='login'){ $('#sendtobookmark').addClass('popup'); //$('#articlemsg').html('Please login to send this article into progress.'); }else{ $('#articlemsg').html('ओह! कुछ गलत हो गया है। कृपया पुनः प्रयास करें।'); } }, error: function(error,errortype,errorstatus){ alert(errortype); } }); });

न्यूज़लेटर सदस्यता

सब्सक्राइब करें

एसएमएस अलर्ट

सब्सक्राइब करें

हमारे बारे में

- [For 2nd/3rd/4th EMI - Pay Now]
- 'दृष्टि द विज़न' फाउंडेशन का परिचय
- दृष्टि वेब स्टोर
- दृष्टि मीडिया
- प्रबंध निदेशक
- इंफ्रास्ट्रक्चर
- UPSC IAS Content / डिस्टेंस लर्निंग प्रोग्राम

हमसे जुड़ें

- संपर्क करें
- आपकी प्रतिक्रिया
- करियर

हमसे संपर्क करें

दृष्टि द विज़न फाउंडेशन
641, पहली मंजिल, डॉ. मुखर्जी नगर,
सिग्नेचर व्यू अपार्टमेंट के सामने ,
नई दिल्ली - 110009

दृष्टि द विज़न फाउंडेशन
सिविल लाइन्स, प्रयागराज (इलाहाबाद),
उत्तर प्रदेश - 211001,
फोन नंबर - 8448485518, 8750187501

- _
- _
- _
- _
- _
- _

1800-121-6260 / 011-47532596

_ _

_

कॉपीराइट © 2018-2022 'दृष्टि द विज़न' फाउंडेशन, इंडिया | सर्वाधिकार सुरक्षित | गोपनीयता नीति

```
function getCookie(name) { var match = document.cookie.match(RegExp('(?:^|;\\s*)' + name + '=([^;]*)')); return match ? match[1] : null; } if(getCookie('isPopupDisplayed_recent')!=1) { $(document).ready(function(){ document.cookie = "isPopupDisplayed_recent=1" // $('#myModal_recent').css('display','block'); $('#img01').attr('src',$('#myImg').attr('src')); $('#img01').attr('style','cursor:pointer'); }); $('#img01').on('click',function(e){ window.location="https://www.drishtiias.com/topic/cs-day"; }); $('#popclose').on('click',function(e){ $('#myModal_recent').css('display','none'); }); } // Added this - if user click on anywhere outside popup - modal/popup will be gone $('body').click(function(e) { $('#myModal_recent').hide(); });
```

Share Page

-
- —
-
- —
-
- —
-
- —
-
- —

खोजें Close

```
$('#searchfrm').submit(function(e){ var search=$('#search').val(); location='https://www.drishtiias.com/hindi/search/'+search;
e.preventDefault(); }); $(document).ready(function(){ $('.comin-soon').colorbox({innerWidth: 1100, innerHeight: 530});
if(screen.width
```

& N B S P ;

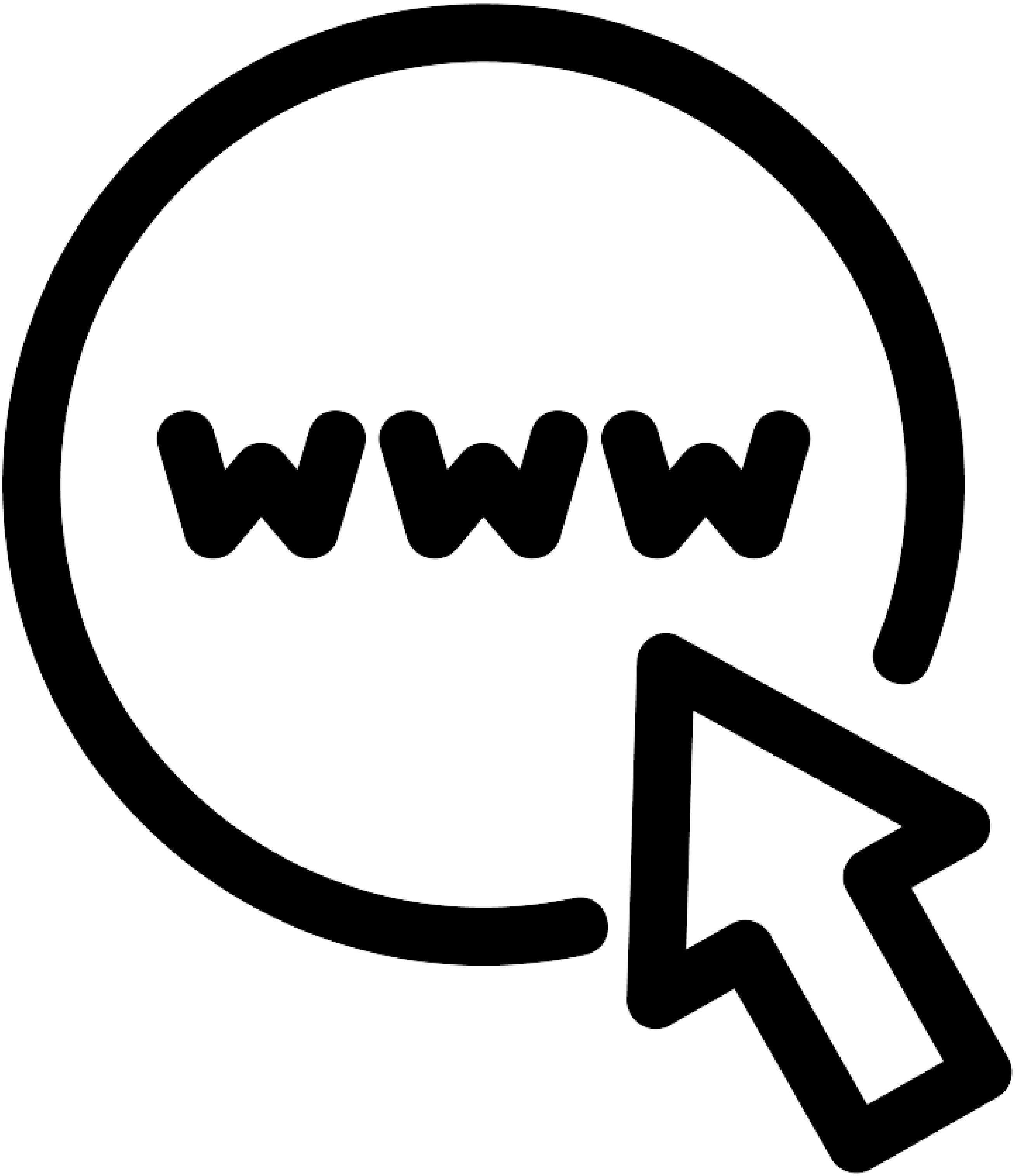

[ ](#) [ ](#)

[ ](#) [ ](#)

// For desktop - DRAGGABLE $('.float-plus').draggable(); $(".float-plus").css("position", "fixed"); $('.float-plus').click(function(){ show_social_float_icons(); }) var box = document.getElementById('float-plus'); $('.float-plus').mousedown(function(){ box.style.transition = "all 0s ease 0s"; }); $('.float-plus').mouseup(function(){ box.style.transition = "all 1s ease 0s"; var screen_width = screen.width; var screen_width = parseInt(screen_width, 10) var current_location = box.style.left; var current_location = parseInt(current_location, 10) var screen_middle = (screen_width/2); var xx = (screen_width*0.04); var x = (screen_width*0.009); if(current_location > screen_middle){ box.style.left = (screen_width-xx) + 'px'; } else { box.style.left = x + 'px'; } }); // For MOBILE TOUCH - DRAGGABLE var box = document.getElementById('float-plus'); box.addEventListener('touchstart', function(e) { // Nothing for now! }); box.addEventListener('touchmove', function(e) { box.style.transform = "translate(-50%, -50%)"; var touchLocation = e.targetTouches[0]; box.style.left = (touchLocation.pageX-window.scrollX) + 'px'; box.style.top = (touchLocation.pageY-window.scrollY) + 'px'; e.preventDefault(); }); box.addEventListener('touchend', function(e) { // Nothing for now! }); function remove_social_float_icons() { $(".float-fb").animate({ top: "-=8%", }, 500); setTimeout(function(){ $(".float-fb").hide("slow"); },500); $(".float-tw").animate({ top: "-=16%", }, 500); setTimeout(function(){ $(".float-tw").hide("slow"); },500); $(".float-rs").animate({ top: "-=24%", }, 500); setTimeout(function(){ $(".float-rs").hide("slow"); },500); $(".float-ig").animate({ top: "-=32%", }, 500); setTimeout(function(){ $(".float-ig").hide("slow"); },500); $(".float-pn").animate({ top: "-=40%", }, 500); setTimeout(function(){ $(".float-pn").hide("slow"); },500); $(".float-wp").animate({ top: "-=48%", }, 500); setTimeout(function(){ $(".float-wp").hide("slow"); },500); var width = (window.innerWidth > 0) ? window.innerWidth : screen.width; if(width 0) ? window.innerWidth : screen.width; if(width